विशेषण

पाठ 2

संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं,

जैसे– 1. नीला आकाश 2. छोटी लड़की

3. दुबला आदमी 4. कुछ पुस्तकें।

उपर्युक्त उदाहरणों में क्रमशः नीला, छोटी, दुबला और कुछ, शब्द विशेषण हैं जो क्रमशः आकाश, लड़की, आदमी और पुस्तकें आदि संज्ञाओं की विशेषता का बोध कराते हैं।

अतः विशेषता बतलाने वाले शब्द (पद) विशेषण कहलाते हैं।

विशेष्य—विशेषण शब्द (पद) जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है उसे 'विशेष्य' कहते हैं, जैसे—उपर्युक्त शब्द-आकाश, लड़की, आदमी, पुस्तकें आदि 'विशेष्य' कहलाएँगे।

विशेषण के भेद—विशेषण के चार भेद हैं–

1. गुणवाचक विशेषण
2. परिमाणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण।

1. गुणवाचक विशेषण

जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम शब्द के गुण, दोष, रूप, रंग, आकार, स्वभाव, दशा, स्वाद आदि का बोध कराते हैं तथा अन्य कई विशेषताएँ भी बताते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहे जाते हैं, जैसे–

गुण – अच्छा, भला, शिष्ट, सभ्य, नम्र, दानी, सुशील, कर्मठ आदि।
दोष – बुरा, अशिष्ट, असभ्य, दुश्चरित्र, कंजूस, चोर, झूठा आदि।
रंग – काला, लाल, हरा, पीला, सफेद, नीला आदि।
रूप – सुन्दर, कुरूप, आकर्षक, दर्शनीय आदि।
दशा – रोगी, स्वस्थ, मोटा, पतला, बीमार, बिगड़ा हुआ, सुखी, दुःखी, पिघला, गाढ़ा, गीला, सूखा आदि।
आकार – गोल, चपटा, सुडौल, अण्डाकार, त्रिभुजाकार आदि।
दिशा – उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी, भीतरी, बाहरी, ऊपरी आदि।
देश – भारतीय, पाकिस्तानी, अफ्रीकी, चीनी, जापानी, पंजाबी आदि।
काल – नया, पुराना, ताजा, प्राचीन, अगला, पिछला, मौसमी, आगामी आदि।
आयु – युवा, वृद्ध, बाल, किशोर आदि।
स्पर्श – कोमल, कठोर, मुलायम, खुरदरा, नरम, ठंडा, गर्म आदि।
स्वभाव – क्रोधी, दयालु, हितैषी, उपकारी।
स्वाद – कड़वा, मीठा, कटु, रसीला।
गंध – सुगन्धित, दुर्गन्धित।
प्रभाव – मादक, मोहक, उत्तेजक।

जैसे–(1) इस गाँव में बहुत आदमी निरक्षर हैं। (2) सरकार ने सैकड़ों लोगों को रोजगार दिया। (3) इस भवन को बनाने में लगभग दो लाख रुपये व्यय होंगे। (4) केवल सौ-दो सौ रुपयों से काम चला लेंगे। (5) जनगणना के काम में थोड़े से कर्मचारी लापरवाह हैं।

4. सार्वनामिक विशेषण

जो सर्वनाम शब्द विशेषण की भाँति किसी संज्ञा के पहले प्रयुक्त होकर संज्ञा की विशेषता बताते हैं, वे सार्वनामिक विशेषण कहे जाते हैं, जैसे–यह लड़का, वे किसान, हम सब शिक्षक आदि।

सार्वनामिक विशेषणों के चार भेद हैं–

(1) निश्चयवाचक या संकेतवाचक (2) अनिश्चयवाचक (3) प्रश्नवाचक (4) सम्बन्धवाचक।

(क) निश्चयवाचक/संकेतवाचक सार्वनामिक विशेषण–ये सार्वनामिक विशेषण किसी संज्ञा की ओर निश्चयसूचक संकेत करते हैं, जैसे–

(क) यह लड़का कल अनुपस्थित था। (ख) वह भवन श्रीराम प्रताप का है।

(ख) अनिश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण–ये सार्वनामिक विशेषण किसी संज्ञा की ओर अनिश्चयसूचक संकेत करते हैं। जैसे–

(क) कोई आदमी बगीचे में रह रहा है। (ख) कुछ महिलाएँ बाहर प्रतीक्षा कर रही हैं।

(ग) प्रश्नवाचक सार्वनामिक विशेषण–ये सार्वनामिक विशेषण संज्ञा की ओर प्रश्नात्मक संकेत करते हैं, जैसे–

(क) यहाँ कौन आदमी बैठा था? (ख) किस युवक ने बच्चे को बचाया है?

(ग) कौन-से छात्र ने कक्षा में शरारत की? (घ) तुम लोगों में क्या बातें हो रही हैं?

(घ) सम्बन्धवाचक सार्वनामिक विशेषण–ये सार्वनामिक विशेषण एक संज्ञा शब्द का वाक्य में प्रयुक्त दूसरे संज्ञा शब्द से सम्बन्ध सूचित करते हैं, जैसे–

(क) जो पुस्तक तुम को मिली थी, वह सौरभ की है।

(ख) जिस लड़के ने फूल तोड़े हैं, वह गेट पर खड़ा है।

सार्वनामिक विशेषण तथा सर्वनाम में अन्तर

जब सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा शब्द के पहले विशेषण की तरह प्रयुक्त होता है, तो वह सार्वनामिक विशेषण होता है। जब सर्वनाम शब्द अकेले या स्वतन्त्र रूप में (संज्ञा के स्थान पर) प्रयुक्त होता है तो वह सर्वनाम ही कहा जाता है, जैसे–

सर्वनाम के रूप में	विशेषण के रूप में
वह कहाँ गया है?	वह लड़का कहाँ गया है?
यह बाहर से आया है।	यह छात्र बाहर से आया है।
उसका घर कहाँ है?	उस आदमी का घर कहाँ है?
हम यहाँ क्या करें?	हम शिक्षक यहाँ क्या करें?

कुछ प्रचलित विशेषण

(क) संज्ञा से बने विशेषण

संज्ञा शब्द	विशेषण	संज्ञा शब्द	विशेषण	संज्ञा शब्द	विशेषण
अलंकार	आलंकारिक	रोग	रोगी	अर्थ	आर्थिक
अधिकार	अधिकारी	अंश	आंशिक	ज्ञान	ज्ञानी

कुछ उदाहरण—

(1) आम एक मीठा फल है। (2) वह सुन्दर स्त्री है।

(3) मोहन एक उदार व्यक्ति है। (4) युवा पुरुष राष्ट्र निर्माण करते हैं।

(5) महिलाएँ कोमल शरीर की होती हैं। (6) हिमालय ठण्डी बर्फ का घर है।

(7) रावण दुष्ट राक्षस था।

इन वाक्यों में मीठा, सुन्दर, उदार, युवा, कोमल, ठण्डी, दुष्ट आदि शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। ये 'विशेष्य' फल, स्त्री, व्यक्ति, पुरुष, शरीर, बर्फ, राक्षस आदि के गुणों को व्यक्त कर रहे हैं, अतः गुणवाचक विशेषण हैं।

2. परिमाणवाचक विशेषण

जो विशेषण संज्ञा तथा सर्वनाम की नाप-तोल तथा परिमाण का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहे जाते हैं। जैसे—(1) दो सौ ग्राम चीनी लाओ। (2) आज तीन से.मी. वर्षा हुई। (3) आपने इतने पैसे खर्च कर दिये। (4) बर्तन में कुछ दूध है।

परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद हैं—

(क) निश्चित परिमाणवाचक—जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम के निश्चित परिमाण का बोध कराते हैं, वे निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहे जाते हैं, जैसे—तीन किलो चीनी, दो लीटर दूध, पाँच मीटर कपड़ा, दस किलो सोना।

उदाहरण—(1) आज दस से.मी. वर्षा हुई। (2) इस कैन में तीन लीटर दूध आता है। (3) कमीज में 2 मीटर कपड़ा लगता है। (4) चाय में तीन किलो चीनी खर्च हुई।

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक—जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की अनिश्चित मात्रा या परिमाण का बोध कराते हैं, वे अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहे जाते हैं, जैसे—थोड़ा-सा पानी, इतने पैसे, कुछ काम, बहुत पैसा।

उदाहरण—(1) इस व्यापारी ने बहुत धन कमाया है। (2) अभी कितना काम बाकी है? (3) मुझे थोड़ा सा पानी पीने को दीजिए। (4) छोटे बालक को इतने पैसे मत दो।

3. संख्यावाचक विशेषण

जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की संख्या, क्रम या गणना का बोध कराते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहे जाते हैं। जैसे—(1) इस कक्षा में तीस छात्र हैं। (2) दशरथ के चारों पुत्रों का विवाह हो गया। (3) बस दुर्घटना में दो दर्जन व्यक्ति घायल हुए। (4) भारत का प्रत्येक नागरिक ज्ञानी है।

इन वाक्यों में तीस, चारों, दो दर्जन और प्रत्येक शब्द (पद) संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं। अतः 'संख्यावाचक' विशेषण कहे जाते हैं।

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद हैं—(क) निश्चित संख्याबोधक। (ख) अनिश्चित संख्याबोधक।

(क) निश्चित संख्याबोधक—जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित संख्या, क्रम, समूह, आवृत्ति आदि का बोध कराते हैं वे निश्चित संख्याबोधक विशेषण कहे जाते हैं, जैसे—पाँच छात्र, दो दर्जन कापियाँ, चौथा लड़का, दो गुना काम, सौ भाई, एक सैकड़ा, प्रत्येक आदमी आदि।

निश्चित संख्याबोधक विशेषण के संख्या के आधार पर निम्न भेद किये जा सकते हैं—(1) गणना के आधार पर (क) पूर्ण संख्यावाचक, जैसे—1-2-3 आदि। (ख) अपूर्ण संख्यावाचक, जैसे—आधा ($^1/_2$), चौथाई ($^1/_4$), सवा ($1^1/_4$), डेढ़ ($1^1/_2$) आदि। (2) क्रमवाचक—पहला, दूसरा, चौथा आदि। (3) आवृत्तिवाचक—दुगुना, चौगुना, (4) समुदाय समुच्चयवाचक—दोनों, तीनों, चारों, सप्तपदी, चालीसा आदि। (5) प्रत्येकवाचक—हर एक, प्रत्येक, प्रति आदि।

(ख) अनिश्चित संख्याबोधक—जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं, वे अनिश्चित संख्याबोधक विशेषण कहे जाते हैं, जैसे—बहुत आदमी, सैकड़ों कर्मचारी, लगभग दो सौ रुपये, थोड़े से अधिकारी आदि